

सूय ॥

भाउं डलमी सुमान मिदूलस्त्री रीवी सिवगेइ दसूली
पिडा महं कपी सुमान अन माली रूवुं सिवगेइयं बल
विक गलं सूय येरा यमि वीधण ॥ १३९ छिसुड्ड उव
पि पडये बल विक गलं भूण नमः ॥ १०

९ तिउिया

गोउं

भाउं डलमी सुमान मिदूलस्त्री रीवी सिवगेइ दसूली
रूपिडा महं भुगुगी सुमान ठगि वनी रूवुं सिवगेइयं
बल रूम वनं सूय येरा यमि वीधण ॥ १३९ छुं विमु
उव पि पडये बल रूम वनं भूण नमः ॥ ११ ॥

हृडीया

गोउं

भाउं डलमी सुमान मिदूलस्त्री रीवी सिवगेइ दसूली
बुदू रूपिडा महं रायी सुमान पम्पनी रूवुं सिवगेइयं
मंच कुड रूम वनं सूय येरा यमि वीधण ॥ १३९ मः
सिव उव पि पडये मंच कुड रूम वनं भूण नमः ॥ ३॥

सुपः सीगं ॥ ठग वडैः सूय ठग वडि सूय ॥

भाउं पिडा महं डलमी सुमान मिदूलस्त्री कपी सुमान अन माली
रूवुं सिवगेइ दसूली बल विक गलं पडयं सूय भूण नमः ०
भाउं रूपिडा महं डलमी सुमान मिदूलस्त्री - भुगुगी सु ठगि वनी रूवुं
सिवगेइ दसूली बल रूम वनं - पडयं सूय भूण नमः = ९ =

नं. २

सुबु भग्नं

भाट वंरु खरिडा महे- (इलमी सु मिदुलस्त्री रानी सु भनानी
रुवु मिव गेइ इरली भवहुत समनु एउकुं सहुं भग्न नमः ३॥
भाटः (इलमी सु मिदुलस्त्री देवु मिव गेइ इरली भवहुत भग्निक
मपिन्ने करल मिव भूदू उरुं उ सहुं भग्न नमः ११

इं कगि सु उं उरु सु ॥	रल विकरुणः ठगः ॥	भसु सुदु रालं
पिनु विषय ॥	रल प्रमखनु ठगः	भसुः प्रधु पुपविने
	भवहुत समनु ठगः	भनं रलि इरननु विदु
		वदिहे भगः ५ की विउ

पिनु विषय

भाटं (इलमी सु मिदु लस्त्री रुवी मिव गेइ इरली खरिडा महे रानी
सु भनमानी रुवुं मिव गेइ रानी रल विकरुणं पिनु येरा यगमि वेधए
रुं ३ उं सुदु उरुणि पउये रल विकरुणं भग्न नमः ॥ उं मपि सुउ
हे। मरु उवउ लंखिं ॥ भाट पिडा महे (इलमी सु भन मिदुलस्त्री
रानी सु भनमानी रुवुं मिव गेइ इरली रल विकरुणं भवहुत भग्निक
मपिन्ने करल मिव भूदू एषवं पिनुः भग्न नमः सय उपभुम

गनु प्रधु

भाट पिडा मही हुं (इलमी सु मिदुलस्त्री रानी सु भनमानी
रुवी हुं मिव गेइ हुं इरली रल विकरुणी हुं भवहुत भग्निक
मपिन्ने करल मिव भूदू भमाल ठनुं गनु भग्न नमः ॥

एवं सुभु भग्न नमः प्रधु भग्न नमः

भाटं (इलमी सु मिदुलस्त्री मिव गेइ इरली खरिडा महे
भनगी सु ठगि वानी रुवुं मिव गेइ रानी रल प्रमखनुं पिनु येरा
यगमि वेधए रुं ३ उं विदु उरुं उ पउये रल प्रमखनुं भग्न नमः

विष्णुविषय

3

नं०३ डि मयिधुउहे ॥ मट्टावडा लेखिबुं ॥ माट्ट पिडा मही ५ पिडा मही महः॥
 उलमी सुमान मिमूलस्त्री दुपी सुभनमाली-मन्त्री सु ठागिवा
 नी रवुः सिवगैरुः ५२ ॥ चरविकरणी चरप्रमवतः
 मंचकुरिकी मपिल्ल काल सिवसूत्र एषवः पिडाः मण नमः
 मय ७५ मयुस ॥ गन्धु धय

माट्ट पिडा मही ५ पिडा महीहः उलमी सुमिभूलस्त्री-दुपी सु
 भनमाली ५ मन्त्री सु ठागि वनी रवैहः सिवगैरुहः ५२ ॥
 चरविकरणीहः चरप्रमवनीहः मंचकुरिकी मपिल्ल काल
 सिवसूत्र ममाल कनू गन्धु मण नमः ॥ एवं मन्त्र मण नमः ५५
 ३ पिडा

३ पिडा | माडां उलमी सुमिभूलस्त्री रवै। सिवगैरु ५२ ॥
 वदू प्रपिडा महं रायी सु पम्पनी रवुं सिवगैरु यं
 मचकुड रमनं पिडा यैरा यामि वैषण्ण एकी १२
 १३ १३ ३ मः सिवउद्गादि पउये मचकुड रमनै मण नमः
 मयिधुउहे वि ३ मट्टावडा लेखिबुं ॥

माट्ट पिडा मही ५ पिडा मही वदू ५ पिडा महः उलमी सुमिभूलस्त्री
 मनी दुपी सुभनमाली ५ मन्त्री सु ठागि वनी
 रायी सु पम्पनी रवुः सिवगैरु ५२ ॥ चरविकरणी
 चरप्रमवनी मचकुड रमनः मंचकुरिकी मपिल्ल काल
 सिवसूत्र एषवः पिडाः मण नमः मय ७५ मयुस ॥ ३

गन्धु धय पुपली ठागिहः डिमभुमिसु डिमभनंणीमभनं मयुधनं डिमभकं पुपुका

मह पिडा मडी ५ प्रिडा मडी वंरु ५ प्रिडा महीरुः

उन्मीरु मिदूतली ५पी ५ मुन मली भुगी ५ ठा गिवनी
 ५पी ५ पम्पनी रंरुः मिव गेडरुः ५रु ५ वल विकरल
 वन प्रमषनी मच कउर मनीरुः मं वरु गिकी मपि रुकल
 मिव मूरे ममल कं गनु मण नमः ॥ १० वं मयः मण पुषु मण
 प्रम मण प्रम मण ठरु ठरु कल मुन तिन मण मिमं डिमपनं
 मीगपनं मपुपनं तिले रं उर कउरु वं डिमं ५ वरु ५ ५
 मवृन मृ ॥

संज्ञ

० 5

थाइ मउ धृये, कण मस्य कण १ गनेरु कलिः

भाउं एिक छएनी शुभान लायभाली रेची गिउमुं मिबगेइ नदूनी
पिउभहं नुसी शु भुमाली रेचुं गिउमुं मिबगेइ यं सलविकः
१०० संज्ञ येरा मि वेधए ॥ नउं ९ डिमुउ उइ रिपउय
सलविक संज्ञ भणनमः

भाउं एिक छएनी शु लायभाली रेची गिउमुं मिबगेइ नदूनी
पिउभहं नुसी शु थम्पनी रेचुं गिउमुं मिबगेइ यं सलभमसु
संज्ञ येरा यमि वेधए ॥ नउं ९ इं विमु उइ रिपउय सलभम
गिउं संज्ञ भणनमः १९ ५५५

भाउं एिक छएनी शु लायभाली रेची मिबगेइ नदूनी
थदू पिउभहं केनी शुभान केनी रेचुं गिउमुं मिबगेइ यं भवकुउ
ममहं संज्ञ येरा यमि वेधए ॥ नउं ९ मः मिबउइ रिपउय
भवकुउ ममहं भणनमः ३१ सुयः सीगं ११ ठगवहः संज्ञ ३
ठगवडि संज्ञ

भाउ पिउभहं एिक छएनी शु लायभाली नुसी शुभान भुमाली रेचु
मिबगेइ नदूनी सल ~~भवकुउ~~ विकउउ १० उं संज्ञ भणनमः १०
भाउ पिउभहं एिक छएनी शु लायभाली - नुसी शु थम्पनी रेचु
मिबगेइ नदूनी सलभमसु १० उं संज्ञ भणनमः १९

भाटु वंशु प्रपितामहो एकैकानी शुभाशयमाली कनी शुभाकनी रुचु
मिव गेहं नदूली भवकुतुमनु गउचं सुचु भुग नमः ॥ ३

भाटुः एकैकानी शुभान शयमाली रुचु मिव गेहं नदूली भवमानमपि नु
कगल मिव मूदू नु संउ सुचु भुग नमः

इं कगिष्टु तिं नदू ॥

पिनु विषयं

चल विकर गः ठगः भयुष्टा
चल प्रमषनु ठगः
भवकुतुमनु ठगः

भाटुं एकैकानी शुभाशयमाली रुचु मिव गेहं नदूली - पितामहं कुमी शु
भमाली रुचु मिव गेहं यं चल विकर गं पिनु येरा यमि चेधए गउ
तिं सुदू उदू विपउय चल विकर गं भुग नमः ॥ तिं मगिधु उं - मउउव
लेखिनु - भाटु पितामहो एकैकानी शुभाशयमाली कुमी शुभमाली रुचु
मिव गेहं नदूली चल विकर गं भवमानमपि नु कगल मिव मूदू
गधवं पिनु भुग नमः = सुपगपमु ॥ गनु धय ॥ भाटु पितामही
एकैकानी शुभाशयमाली कुमी शुभमाली रुचु मिव गेहं नदूली
चल विकर गं भवमानमपि नु कगल मिव मूदू भमाल रुचु गनु
भुग नमः = एवं मउ भुग नमः धय भुग नमः ॥ ०॥

भाटुं एकैकानी शुभाशयमाली रुचु मिव गेहं नदूली प्रपितामहं कुमी
● यमनी रुचु मिव गेहं यं चल प्रमषनु पिनु येरा यमि चेधए
गउं ३ सुं विमू उदू विपउय चल प्रमषनु भुग नमः ॥
तिं मगिधु उं - मउउ - लेखिनु ॥

भाउ पिडा मही प्रपिडा महुः लिङ्ग ठानी शाय माली कुमी भमली
ऊनी थम्मीनी रुवु मिव गेडाः रुदली चल विक गली चल प्रमषनी
ममनमपिबु कल्ल मिव महुः पयवः पिबुः भण नमः मयउयमुमु

गदू थये भाउ पिडा मही प्रपिडा मही हुः लिङ्ग ठानी शाय माली
कुमी भमली ऊनी थम्मीनी रुवु मिव गेडाः रुदली चल विक गली हुः चल प्रमषनी हुः ममन
मपिबु कल्ल मिव महुः ममल ठनं गनु भण नमः
एवं मयउयमुमु नमः थये भण नमः ११ ९ पिबु

भाउं लिङ्ग ठानी शाय माली सीदी मिव गेडा रुदली
चदू प्रपिडा महुः ठनी थ ठनी रुवु मिव गेडां भचकुड
रुमनं पिबु येरा यभि वेधली एकरी १२ १३
मः मिव उदुगि पउय भचकुड रुमनं भण नमः
मपिबु उदुगि विउ महुः लं विवु = भाउ पिडा मही प्रपिडा
मही चदू प्रपिडा महुः - लिङ्ग ठानी शाय माली ऊनी थम्मीनी
नी ठनी थ ठनी मिव गेडाः रुदली चल विक गली चल प्रमषनी
भचकुड रुमनः ममनमपिबु कल्ल मिव महुः पयवः पिबुः
भण नमः मयउयमुमु १३ वं भं भि भण नमः वीरं भं भण नमः लं विवु

गदू थये प्रपिडा ठनी रुवु डिमपनं जीपनं भयुथने उल्लिखं उदक उदुग

मन्त्र पिडा मही २ पिडा मही चंद्र पिडा मही छः

दिकठानी प्रसाध माली. जूनी ९ ममाली जूनी ९ पममनी छनी ९ छनी

द्वेष्टः मित्र द्वेष्टः मद्राली रत्न द्वेष्टाली रत्न प्रममनी मचक्रुड

ममनी छः ममन मपिल्ले करली १० १२ ममाल ठने गनु मण नमः

१० वं मद्र मण धुधं मण प्रममण मद्रि मण १० कय केष्टा दिम प म्नी ममालिनी

उर क उर दिम ९ मम ३ ९ मम नमः

ॐ मन्त्रे ० पाद् मन्त्रये कर्ण मन्त्रये कर्ण १ गन्त्रे मन्त्रये कर्णः

भाउं मडी प मन्त्रमाली देवी (मन्त्रयं) सिवगैरे मन्त्रं १
पिडा मन्त्रं मन्त्रि प मन्त्रि देवी (मन्त्रयं) सिवगैरे मन्त्रं बल
विक्र १० मन्त्र ये मन्त्रि विषय १३३ हि मन्त्र मन्त्रि
पडये बल विक्र मन्त्र नमः ॥ ०

भाउं मडी प मन्त्रमाली देवी (मन्त्रयं) सिवगैरे मन्त्रं १
रुद्रिडा मन्त्रं मन्त्रि प मन्त्रि देवी (मन्त्रयं) सिवगैरे मन्त्रं बल
ल मन्त्र मन्त्रं मन्त्र ये मन्त्रि विषय १३३ हि मन्त्र
उद्गति पडये बल मन्त्र मन्त्र नमः ॥ ११ ११ = ॥

भाउं मडी प मन्त्रमाली देवी (मन्त्रयं) सिवगैरे मन्त्रं १
चन्द्रिडा मन्त्रं मन्त्रि प मन्त्रि देवी (मन्त्रयं) सिवगैरे मन्त्रं बल
मन्त्र मन्त्रं मन्त्र ये मन्त्रि विषय १३३ हि मन्त्र
मः सिव मन्त्र हि पडये मन्त्र मन्त्र मन्त्र नमः ॥ ३१)
मन्त्र मन्त्रं ११ मन्त्र मन्त्रः मन्त्र ११ मन्त्र मन्त्र मन्त्र ॥

भाउ पिडा मन्त्रे मडी प मन्त्रमाली देवी (मन्त्रयं) सिवगैरे मन्त्रं १
मन्त्र मन्त्रं मन्त्र ये मन्त्रि विषय १३३ हि मन्त्र मन्त्र मन्त्र नमः ॥ ०१
भाउ शिष्टिडा मन्त्रे मडी प मन्त्रमाली देवी (मन्त्रयं) सिवगैरे मन्त्रं बल
मन्त्र मन्त्रं मन्त्र ये मन्त्रि विषय १३३ हि मन्त्र मन्त्र मन्त्र नमः ॥ १३)
मन्त्र मन्त्रं मन्त्र ये मन्त्रि विषय १३३ हि मन्त्र मन्त्र मन्त्र नमः ॥

मे ३ म३ं म३ी सु भनमानी देवी सिवगैरं नदानी प्रप्रिता महं ॥
 सुनी सुभापी देवुं सिवगैरं यं बलप्रमवतुं पिबुं येरा यामि
 विषय (१३९) सुं विमु उदुः पि पतये बलप्रमवतुं भण नमः
 मप्रिधुते ॥ महु उवडा तं देवुं ॥ म३ पिडा म३ी प्रप्रिता महः
 म३ी सु भनमानी पेसी लकी सुनी सुभापी देवुं सिवगैरः
 नदानी बलविकर लप्रमवतुः संवद्रुगि की मपिबुं
 काल सिवमूद्रै ण्यवः पेबुः भण नमः मयउपमुस ॥ ९ ॥

ग३प३) म३ पिडा म३ी प्रप्रिता म३ी हः म३ी सुभन भनमानी पेसी
 सु लकी सुनी सुभापी देवुं हः सिवगैर हः नदानी बलविक
 रानी हः बलप्रमवनी हः संवद्रुगि की मपिबुं काल सिवमूद्रै
 भमलठनुं गनु भण नमः ॥ १० वं महु भण नमः प३ं भण नमः ३ पिबुं

३ पिबुं
 म३ं म३ी सु भनमानी देवी सिवगैरं नदानी प्रप्रिता महं
 सुहप३ी सु सुहउप३ी देवुं सिवगैरं यं मचकुड रमनुं पिबुं
 येरा यामि विषय (१३) १३) ९ मः सिवदुव पि पतये मच
 कुड रमनुं भण नमः ॥ मप्रिधुते दे विउ । महु उवडा ॥ लंरिबुं ॥
 म३ पिडा म३ी प्रप्रिता म३ी देवुं प्रप्रिता महः ॥ म३ी सु भनमानी
 पेसी सुभन लकी सुनी सुभापी सुहप३ी सुभन सुहप३ी देवुं
 सिवगैरः नदानी बलविकरानी बलप्रमवनी मचकुड रमनुं संवद्रुगि क
 मपिबुं काल सिवमूद्रै ण्यवः पिबुं भण नमः मयउपमुस ॥ १२

12

८ पूरितं मरुः मडोष्टु भनमना दुनोष्टु आपोष्टु मिवगड्यः ५३ ॥ ४० ॥
मवड्यिको मपिष्टु वरुष्टु मिवगड्यः ५३ ॥ ४० ॥

ਪਿਤਾ ਮਹੈ ਧੰਸੀ ਧ ਲਕੀ ਦੇਵੈ ਸੜੈ
 ਪ੍ਰ ਪਿਤਾ ਮਹੈ ਤੁਨੀ ਧ ਸੁਆਮੀ ਦੇਵੈ ਸੜੈ
 ਚ ਪ੍ਰ ਪਿਤਾ ਮਹੈ ਸੁਖ ਪਤ੍ਰੀ ਧ ਸੁਖ ਪਤ੍ਰੀ ਦੇਵੈ
 ਸੜੈ

ਪ੍ਰਤ:

ਮਾਤ: ਮਤੀ ਧ ਮਨ ਮਾਲੀ ਦੇਵੈ ਸੜੈ